वर्ष 2018–19 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जलशक्ति मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए ''सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी'' प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की माहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है। संस्थान के पदाधिकारियों की जानकारी के लिए प्रतिदिन एक अंग्रेजी शब्द का हिंदी पर्याय एल्कोसाइन राइटिंग बोर्ड पर लिखा जाता है।

वर्ष 2018–2019 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं :–

- संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ''भारत सरकार की राजभाषा नीति, नोटिंग/ड्राफ्टिंग, हिंदी पत्र लेखन, कम्प्यूटर पर हिंदी कार्य, प्रोत्साहन योजनाएं आदि विषयों पर दिनांक 28 जून, 2018, 26 सितंबर, 2018 तथा 28 दिसंबर, 2018

को हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें कुल 102 पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 71वीं, 72वीं, 73वीं तथा 74वीं बैठकें क्रमशः 29 जून, 2018, 24 सितंबर, 2018, 06 दिसंबर, 2018 तथा 20 मार्च, 2019 को निदेशक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजनाएं तैयार की गई।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिनांक 23 अप्रैल, 2018 को आयोजित निबंध प्रतियोगिता में संस्थान के दो कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।
- माननीया संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप–समिति द्वारा दिनांक 11 जून, 2018 को राजसं रूड़की का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया।
- नराकास, हरिद्वार के रूड़की स्थित सदस्य संगठनों के लिए आई.ओ.सी. लण्ढौरा (रूड़की) द्वारा दिनांक 10 जुलाई, 2018 को आयोजित ''हिंदी/यूनीकोड कार्यशालाा'' में संस्थान के एक कर्मचारी ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- नराकास, हरिद्वार द्वारा दिनांक 20 जुलाई, 2018 को आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में संस्थान के तीन पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान में राजभाषा विभाग द्वारा लागू ''सरकारी कामकाज मूलरूप से हिंदी में करने'' संबंधी प्रोत्साहन योजना के तहत दिनांक 15 अगस्त, 2018 को संस्थान के 10 पदाधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।
- संस्थान में दिनांक 15 अगस्त, 2018 से 14 सितंबर, 2018 तक हिंदी मास का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी की 07 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।
- संस्थान के एक कर्मचारी को केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 27 अगस्त, 2018 से 31 अगस्त, 2018 तक आयोजित उच्च स्तरीय अनुवाद प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु नामित किया गया।
- नराकास हरिद्वार के रूड़की स्थित सदस्य संगठनों के लिए सी.बी.आर.आई रूड़की द्वारा दिनांक 05 दिसंबर, 2018 को ''हिंदी/यूनीकोड कार्यशाला'' में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु संस्थान के चार कर्मचारियों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- संस्थान के दो कर्मचारियों ने दिनांक 21 दिसंबर, 2018 को एल.आई.सी. ऑफ इंडिया हरिद्वार आयोजित नराकास के राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में प्रतिभाग किया।
- नराकास, हरिद्वार द्वारा दिनांक 04 जनवरी, 2019 को आयोजित ''निबंध'' प्रतियोगिता में संस्थान के तीन पदाधिकारियों ने भाग लिया।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की दिनांक 24 जनवरी, 2019 को आई.आई.टी. रूड़की में आयोजित 27वीं अर्धवार्षिक बैठक में संस्थान की ओर से निदेशक राजसं के साथ–साथ अन्य चार पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- वर्ष 2018–19 के दौरान संस्थान द्वारा दो हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित की गईः–
  (1) वार्षिक पत्रिका प्रवाहिनी (2018) का 25वां अंक
  (2) जल चंतना तकनीकी पत्रिका